PRSU UNIVERSITY-2016
HINDI BHASHA-2016

निर्देश : सभी प्रश्न हल कीजिये।

1. (अ) पल्लवन से आप क्या समझते हैं ? एक कुशल विस्तारक के गुणों का उल्लेख कीजिए।

या निम्नलिखित में से किसी एक का पल्लवन कीजिए :

(i) "नर हो न निराश करो मन को।"

(ii) "मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।"

a2zSubjects.com

(ब) मासिक शुल्क से छूट पाने के लिए प्राचार्य को एक पत्र लिखिए।

या निम्नलिखित में से किन्हीं आठ पारिभाषिक शब्दों का हिन्दी रूप लिखिए :

(i) Calculator (ii) Attorney General
(iii) Act (vi) Nebula
(v) Crime (vi) Geologist
(vii) Digit (viii) Complaint Officer
(ix) Supervisor (x) Stay

2. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच मुहावरों एवं लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(i) अक्ल पर पत्थर पड़ना। (ii) घी के दिये जलाना।
(iii) टेढ़ी खीर। (iv) अंधे पीसे, कुत्ते खाएँ।
(v) छोटे मुँह, बड़ी बात। (vi) छाती पर साँप लोटना।
(vii) आसमान से गिरा खजूर पर अटका।

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :

(i) श्रीमति (ii) प्रसंशा (iii) सौजन्यता
(iv) संग्रहीत (v) कवियत्री (vi) उपलक्ष
(vii) उपरोक्त

a2zSubjects.com

(स) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

(i) 'अल्पायु' शब्द का विलोम लिखिए।

(ii) 'गंगा' के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(iii) 'कर' शब्द के दो अर्थ लिखिए।

(iv) निम्नलिखित समश्रुत शब्दों के अर्थ लिखिए : अभिराम-अविराम

(v) 'जो जीता न जा सके' के लिए एक शब्द लिखिए।

3. देवनागरी लिपि के नामकरण पर प्रकाश डालते हुए देवनागरी लिपि की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

या मानक हिन्दी भाषा किसे कहते हैं ? इसके प्रमुख लक्षणों का वर्णन कीजिए।

4. (अ) सूचना प्रौद्योगिकी के घटकों को वर्णन कीजिए।

a2zSubjects.com

या कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी की परिकल्पित धारणा क्या है ? विस्तार से समझाइए।

(ब) निम्नलिखित पदनामों में से किन्हीं पाँच के हिन्दी रूप लिखिए :

(i) Ambassador (ii) Engineer (iii) Registrar
(iv) Nurse (v) Professor (vi) Judge
(vii) Dy. Secretary

5. (अ) संक्षेपण से आप क्या समझते हैं ? इसके लेखन की विधि पर प्रकाश डालिए।

(ब) निम्नलिखित गद्यांश का सारांश लिखिए तथा उचित शीर्षक दीजिए :

गुरु से ज्ञान प्राप्त करने के केवल तीन उपाय हैं - नम्रता, जिज्ञासा और सेवा। इनमें नम्रता का स्थान प्रथम है। अत: एक आदर्श विद्यार्थी को विनम्र होना चाहिए। नम्रता के साथ-साथ उसे अनुशासनप्रिय भी होना चाहिए। जो विद्यार्थी अनुशासनहीन होते हैं, वे अपने देश, अपनी जाति, अपने माता-पिता, अपने गुरुजन और अपने कॉलेज के लिए अप्रतिष्ठाकारक होते हैं। अनुशासनहीन छात्र का न तो मानसिक विकास होता है और न बौद्धिक ही, वह उन गुणों से सदैव-सदैव के लिए वंचित हो जाता है जो मनुष्य को प्रतिष्ठा के पद पर आसीन करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अनुशासन का विशेष महत्व है। अनुशासित छात्र ही आदर्श विद्यार्थी की श्रेणी में आ सकता है। आज के युग का छात्र अनुशासनहीनता दिखाने में अपना गौरव समझता है, इसलिए देश में सभ्य नागरिकों का अभाव-सा होता चला जा रहा है, क्योंकि आज का विद्यार्थी ही कल का नागरिक बनता है।

a2zSubjects.com